अनुक्रम

आदमी की निगाह में औरत

भूमिका 13

विमर्श

आदमी की निगाह में औरत 15
नारी, तुम केवल श्रद्धा हो... 28
हम सबके माथे पर दाग 35
बुर्कों की वापसी 40
अग्निपरीक्षाएँ 44
एक धार्मिक अनुष्ठान के लिए निमंत्रण पत्र 50
'सलीम तुम्हें मरने नहीं देगा और हम तुम्हें जिन्दा नहीं छोड़ेंगे, अनारकली' 54
सिंहासन खाली करो कि... 61
तुम्हारे गले में यह किसकी आवाज है, उमा भारती ? 69
स्वतंत्रता की खतरनाक सरहदें 78
निचली ऊँचाइयाँ 82
'हमें मालूम है अपनी बीमारी का कारण' 86
होना/सोना एक खूबसूरत दुश्मन के साथ 95
[परम पावन पूज्यपाद नामवराचार्य के श्री चरणों में]

लेखन

यथास्थिति में लौटती हुई कद्दावर औरतें 108
सदी का औपन्यासिक अन्त 112
उल्टी गिनती : व्यक्ति से शून्य तक 141
'दाँते ने तुम्हें बियेत्रिस के नाम से पुकारा था' 154
दुर्ग-द्वार पर दस्तकें 158
अपनी नियति पहचानो, मैत्रेयी... 171
बेजुबानी जुबान हो जाए... 187

प्रेमचन्द की विरासत

जो हमारी विरासत है	199
प्रेमचन्द से सौ साल आगे	201
रक्त-बीज	210
राजनीति और बुद्धिजीवी	215
इतिहास-लेखन एक कला(बाजी) है...	223
समय-निषेध : एक शास्त्रीय दृष्टि	229
लेखक चला सम्पादकी चाल	240
एक पराजित वक्तव्य	254
चोरी के माल की नुमाइश : रचना-संसार	258
लघु उपन्यास : भविष्य की केन्द्रीय विधा	262
स्वस्थ संवाद की जरूरत	265
साहित्य में व्यक्ति-पूजा : एक प्रक्रिया	273
गरेबाँ चाक करता है, तंग जब दीवाना आता है	279
घाटे का सौदा	287
साहित्य और सिनेमा	294
लेखक और प्रकाशन	301
राजेन्द्र यादव : आइने के सामने	309